

**उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)****M.A. 2ND YEAR ASSIGNMENT****एम .ए. द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य**

last date of Submission: 15/05/2016 (जमा करने की अन्तिम तिथि. 15/05/2016)

Course Title: Peasant Movement in India

Course Code: MAHI09

कोर्स शीर्षक: भारत में किसान आंदोलन

कोर्स कोड: एमएएचआई09

Year: 2015-16

Maximum Marks: 40

सत्र- 2015.16

अधिकतमअंक- 40

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Briefly discuss the following:

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए :

1. संथाल विद्रोह 1855-56
Santhal revolt 1855-56
2. नील विद्रोह (1860)
Indigo revolt (1860)
3. पाबना एवं बोगरा क्षेत्रों में कृषक विद्रोह 1870-73
Peasant revolts in Pabna and Bogara areas during 1870-73
4. अखिल भारतीय किसान सभा
All India Kisan Sabha
5. मोपला विद्रोह 1920-22
Mopila uprising 1920-22
6. श्रीराम राजू का विद्रोह
Revolt of Sri Ram raju
7. महाजन-सह-सौदागरी प्रणाली
Moneylender cum Trader System
8. तेलंगाना में कृषकों का विद्रोह(1946ई.से 1951ई.)
Peasant revolt in Telangana(1946-1951)

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.

भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं ।

1. भारत में किसान आंदोलनों का परिचय दीजिए।

Give an introduction to the peasant movements in India.

2. प्रथम विश्वयुद्धोत्तर कृषि समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

Shed light on the agricultural problems of post first World war.

3. बंगाल के तेभाग आंदोलन पर चर्चा कीजिए।

Discuss the Tebhaga movement of Bengal.

4. बिजोलिया में सामंती एवं उपनिवेशी शासन के विरुद्ध कृषक विद्रोह(1887-1930) पर चर्चा कीजिए ।

Discuss about the peasant revolt against feudal and colonial rule in Bijolia during 1887-1930.